

प्रेषक,

ए0केऽधोष,
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन ।
सेवा में,
निदेशक पर्यटन,
पटेलनगर, देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

विषय:—उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद के नये कार्यालय भवन के निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-455/2-6-347/2002 दिनांक 30-10-2004 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद के नये कार्यालय भवन के निर्माण हेतु ₹0 336.987 लाख के आगणनों के विरुद्ध ₹0 400 से ₹0 द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत धनराशि ₹0 327.40 लाख की लागत के आगणनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सहित चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में ₹0 60.00 लाख (₹0 साठ लाख मात्र) की धनराशि के व्यय करने की भी सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2—उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3—आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिल्ड आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता रत्तर के अधिकारी से स्वीकृत करालैं ।

4—कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5—कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6—एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7—कार्य कराने से पूर्व समरत औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8—कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगवेत्ता के साथ अवश्य करालैं। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

9—आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

10—निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

11—स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2005 तक पूर्ण उपयोग कर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अधूरी योजनाओं पर पूर्व स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपयोग के उपरान्त ही आगामी किस्त उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही अवमुक्त की जायेगी। यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को संदर्भित कर दी जायेगी।

12—कार्य इसी लागत में पूर्ण किये जाय और उक्त लागत कोई भी पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।
 13—आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्थीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
 14—निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

15—कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
 16—उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-2005 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-02-पर्यटन परिषद के लिये आवासीय /अनावासीय भवनों का निर्माण -24-वृहत्ति निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
 17—उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-७६१/वित्त अनु०-३/२००५, दिनांक 29 मार्च २००५ में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(ए०के०घोष)
अपर सचिव

संख्या— VI/2005-3(12)/ 2004/ तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1—महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून।
- 2—वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3—जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4—जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून।
- 5—वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 6—श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 7—अपर सचिव, नियोजन।
- 8—निजी सचिव मा० मुख्यमन्त्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 9—निजी सचिव मा० पर्यटन मन्त्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 10—निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल।
- 11—गार्ड कार्इल।

आज्ञा से,
8/29/3/05
(ए०के०घोष)
अपर सचिव